SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : I have given notice....(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : I have rejected it. I know my job. Not allowed.....No question. I will now take up Questions....

I have considered all the requests for suspension of the Question Hour. These are all irrelevant. I am now going ahead with the Question Hour.

(*Interruptions*)**

Not allowed. No point of order during Question Hour. I am aware of the rules ; I have studied them completely.

(*Interruptions*)**

अध्यक्ष महोदय : अगर आप मेरी बात सुन लें, तो समझ जायेंगे । आप बैठ जाइए, राही साहब । मैं जो कहने जा रहा हूं, वह सुन लीजिए । देखिए, सब काम नियमानुसार होगा । मैंने देख लिया है ।

...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : आप बात सुनते नहीं हैं । तो इस बात का कोई फायदा नहीं होगा । आप बैठ जाइए ।

...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : कोई स्वीकार करना मेरा अधिकार है । आपके कहने से नहीं होता है ।

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : Not allowed....Sit down.... You do not even have the decency to sit down when I am on my legs. Sit down. Listen to what I say.... Sit down.

अध्यक्ष महोदय : आप अपनी सीट पर बैठ जाइए ।

...(व्यवधान)...

MR. SPEAKER : If you do not go back to your seat, I will name you. Please go back to your seat.

(*Interruptions*)**

MR. SPEAKER : I adjourn the House for fifteen minutes.

11.22

The Lok Sabha adjourned till thirty five minutes past eleven of the Clock on Monday, July 23, 1984/Sravana 1, 1906 (Saka).

The Lok Sabha re-assembled at Thirty-five Minutes past Eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*]

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur) : I rise on a point of order. (*Interruptions*)

PROF. MADHU DANDAVATE : Mr. Speaker, Sir : I rise on a point of order.

अध्यक्ष महोदय : मैं कुछ कहना चाहता हूं ।

(*Interruptions*)

PROF. MADHU DANDAVATE : In a legal manner, I am rising on a point of order. I seek your permission to raise a point of order. Please listen to me.

अध्यक्ष महोदय : आप मेरी बात नहीं सुनेंगे ।

During the Question Hour, there is no point of order.

PROF. MADHU DANDAVATE : It is regarding the procedure to be followed.

प्रो० सैफुद्दीन सोज (बारामुला) : हम हिन्दुस्तान की बात करते हैं, उसके आईन की बात करते हैं ।

...(व्यवधान)...

(پروفیسر سیف الدین سوز (بارامولہ) : ہم ہندوستان کی بات کرتے ہیں۔ اس کے آئین کی بات کرتے ہیں۔)

(*Interruptions*)

**Not recorded.

PROF. MADHU DANDAVATE : Shall I formulate my point of order ?

अध्यक्ष महोदय : क्वेश्चन आवर के बाद प्वाइन्ट आफ आर्डर कह दीजिए।

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : Sir, you had suspended the Question Hour on an earlier occasion...

MR. SPEAKER : No ; I did not. I did not.

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : You suspended the Question Hour.

MR. SPEAKER : I did not.

(Interruptions)

MR. SPEAKER : You have to listen to me...if you want to.

SHRI GEORGE FERNANDES (Muzaffarpur) : What about my notice under rule 388 ?

MR. SPEAKER : I did not allow it.

(Interruptions)

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : This is not the first time....

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप मेरी रिक्वेस्ट नहीं सुनते। आप नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। मैं आपसे विनती कर रहा हूं। आप बैठ जाइए और मेरी बात सुन लीजिए।...(व्यवधान)...

There is nothing during the Question Hour.

PROF. SAIFUDDIN SOZ : It is most unfortunate. He calls me,** when we talk of Indian Constitution, when we talk of democracy.

...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : आपने पहले करवाया और अब दोबारा करवा रहे हैं। आप बैठ जाइए। जब मैं खड़ा हूं, तो आपको बैठ जाना चाहिए।

...(व्यवधान)...

SHRI JAGDISH TYTLER (Delhi Sadar) :

पाकिस्तान की नुमायन्दगी करते हैं, तो कोई नहीं बोलता।...(व्यवधान)...

PROF. MADHU DANDAVATE : The hon. Member is repeating the charge that some Member is**

(Interruptions)

MR. SPEAKER : Have you said this ?

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठेंगे नहीं, तो मैं बताऊंगा कैसे।...(व्यवधान)...मेरे होते हुए कोई इस तरह की बात नहीं कह सकता और अगर कोई कहेगा, तो उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे। अशोभनीय बातें यहां पर नहीं कहनी चाहिए।

(Interruptions)

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, SPORTS AND WORKS AND HOUSING (SHRI BUTA SINGH) : *rose.*

...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जायें, तो मैं बात करूं। आप कानून तोड़ रहे हैं।

SHRI SATYASADHAN CHAKRABORTY : It is exactly this attitude...

(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। जब हाऊस बन्द कर दिया था, तब कोई ऐसी बात हुई हो, तो हुई हो लेकिन मेरे सामने ऐसी कोई बात नहीं हुई